(b) (i) M/s. M. S. Pankaj & Co. Book Stall Contractor, New Delhi for Chandigarh and Kanpur Shatabdi Express trains.

(ii) Shri V. K. Wadhwa, Agent, M/s A. H. Wheeler & Co., Jhansi for Bhopal Shatabdi Express train.

(c) Payment is arranged after vetting of the bills by the Associate Accounts.

(d) The newspaper bills were pending for clearance from Associate Accounts on Northern Railway but orders for payment of the bills have since been issued.

Forced Entry by Unauthorised Passengers in Reserved Coaches

1175. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the passengers travelling in the three tier reserved coaches in the Railways are made to suffer, when hundreds of passengers forcefully enter the reserved coaches and snatch the reserved seats of genuine passengers; and

(b) if so, what action Government propose to take in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI AJAY SINGH): (a) Some such cases have been reported.

(b) The following steps are taken:

(i) Surprise checks are conducted with the help of GRP/RPF and unauthorised passengers found travelling in reserved coaches are detrained and fined under the provisions of the Railways Act.

(ii) The fine for travelling unauthorisedly in reserved Compartments under the Railways Act 1989 effective from 1-7-1990 has been enhanced to extend upto Rs. 500/- from Rs. 20/-.

(iii) Disciplinary action against the staff in proved cases of connivance.

देश में वनस्पति की कमी

1176. **श्री बलराम सिंह यादव :**
श्रीमती कैलाशपति :

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 2 जुलाई, 1990 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" में "कॉशन अहेन्ड वनस्पति शार्टेज" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या देश के वनस्पति निर्माताओं ने वनस्पति के उत्पादन में आने वाली दिक्कतों के बारे में सरकार को अवगत कराया है ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस वर्ष जून, 1990 तक वनस्पति का उत्पादन गत वर्ष की इसी अवधि की अपेक्षा कम हुआ है और जिसके फलस्वरूप वनस्पति के दामों में वृद्धि हो गई है ; और

(घ) यदि हां, तो इसका उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या विशेष उपाय किये जा रहे हैं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल) : (क) जी, हां।

(ख) वनस्पति घी के विनिर्माताओं से आवेदन प्राप्त हुए हैं जो उनके द्वारा वनस्पति घी के विनिर्माण के लिए अनुमति प्राप्त तेलों की उपलब्धता में कमी, टिन प्लेटों आदि की उपलब्धता में कमी के कारण हुई कठिनाइयों का सामना करने के बारे में है। सुझाव दिए गए हैं कि वनस्पति में एक्सपेलर सरसों के तेल का प्रयोग जारी रखा जाए तथा तेलों के अपरम्परागत स्रोतों के पूरे उपयोग के लिए उदार वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाए।

(ग) पिछले वर्ष (नवम्बर से जून) के वनस्पति घी के उत्पादन 6,69,917 मी. टन की तुलना में इस वर्ष (नवम्बर 1989 से जून, 1990 तक) वनस्पति घी का उत्पादन 6,25,666 मी. टन हुआ है। इस वर्ष तिलहन की कम फसल तथा आयात में की गई कटौती के कारण कीमतें ऊंची हुई हैं।

(घ) वनस्पति घी के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों में से कुछ उपाय निम्न प्रकार हैं:--

(1) खाद्य तिलहनों तथा तेलों की स्टाक सीमाओं को निचले स्तर पर पुनर्स्थापित किया गया है।

(2) भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा बैंक ऋणों के न्यूनतम अन्तर में वृद्धि की गई है।

(3) केन्द्रीय सरकार आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी विरोधी अभियान चलाने के लिए राज्य सरकारों से लगातार संपर्क बनाए हुए है।

Proposal to connect Karur and Salem

1177. SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is a proposal under Government's consideration to connect Karur and Salem (via) Namakkal, Rasipuram by a B G. line between Salem and Bangalore via Dharmapuri and Hosur;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the distance reduced by this scheme connecting Karur directly with Salem and Bangalore?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI AJAY SINGH): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

खाद्य वस्तुओं का आयात

1178. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय देश में किन-किन खाद्य वस्तुओं की कमी है तथा इस कमी के क्या कारण हैं तथा सरकार इस कमी को किस प्रकार पूरा करने का विचार रखती है ;

(ख) क्या सरकार कुछ खाद्य पदार्थों की कमी पूरी करने के लिए उनका आयात करने का विचार रखती है ; यदि हां, तो किन-किन वस्तुओं का तथा कितनी-कितनी मात्रा में आयात किया जा रहा है तथा इस कारण से चालू वर्ष में हमें कितने-कितनी विदेशी मुद्रा का घाटा उठाना होगा ;

(ग) क्या सरकार देश में खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी तथा कालाबाजारी समाप्त करने के लिए कोई सख्त कदम उठाने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक तथा किस प्रकार ; और

(घ) क्या सरकार ने कालाबाजारी समाप्त करने के लिए पिछले तीन महीनों के दौरान किन्हीं व्यक्तियों के खिलाफ कोई मामले दर्ज किये हैं और यदि हां, तो कितने व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किये गये है और मूल्य सूचकांक कितना नीचे आया ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल) : (क) और (ख) चावल, गेहूं, चीनी आदि जैसी अधिकतर खाद्य वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। तथापि, मांग व आपूर्ति में अंतर होने के कारण खाद्य तेलों पर इस समय दबाव हैं। वर्ष 1990-91 के लिए खाद्य तेलों का आयात आगामी खरीफ मौसम के दौरान तिलहनों के उत्पादन तथा विदेशी मुद्रा की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।